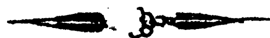
गरबीसंग्रह

बुकसेलरनगजीवनदासदलपत
रामेछपावी प्रसिद्धकरी·
आवृतीबीजी·

अमदावादमां·
शाहपुरमांचनर ळीवांकानीपोळ
मांपोळमांपटेल-वगोवन
दासकृष्णचनदासेपोता
नारीणाप्रेसमांछापी·
संवत१९३८
सने१८८२

१३८०

।गेरो संग्र ।।



।।श्रींगणेशायनमः।। ।।अथपदसीह

होरीकोपदलीखे।। ।।रागकाफी।। ।।

पद्यापदुं।। ।।सांवरामतडारोपीचकारी।।

लगेगीमातहमारी।।सांवरा।।कोमलमतडारोमे

रनहदसेंरहीओ।।मेंकुंइन्याकुमारी।।तुमहो

निरलज्जमेंन.।ओसी।।हेवेगी मुजसेंगारी

।।हूलेतीहोयगी तुमारी।।सांवरामतडारोपी-

चकारी।।१।।जेसीहु मतहोयहैयामें।।तोपस

ऐोनेनोतमनारी।।नहे पदाओ करीगेघम

तहुं।।मेंहुं बालकुंवारी।।२।। हतवरमातहमा

।।सांवरामतडारोपीचकारी।।२।।परनारी

होपालव पकरयो।।मोहनमनजिम्पारी।।मा

ततात तोरे वृद्ध लयेहैं।।राजकुंसहो लारी

।।हुकुं तु मसेंबीरत्तारी।। सांवरामतडा

रोपीचकारी।।३।।जागु पकरकरमेरीमुह-

।।।वन नेरसेंझारी।। सुरदासप्र-

भुनकुं।।बोलतअककीनारी।।

पीतांबर लेउंगी॥ जेतारी॥ सांवरा मत
डारो पीचकारी॥४॥ ॥पद पुर्बी॥ १ ॥
॥ ॥राग होरी॥ ॥पद भीलुं॥ ॥
सांवरो हजु अजे नहीं आयो॥ छीगन कूना
नरलायो॥ सांवरो॥टेक॥ अनगीन ताको-
संग छो रहे॥ मधूजन करछजसायो॥ घ-
सी हरी पटराणी भयहे॥ गोपीनाथ हे नाम
लजायो॥ कंथ हु जनको हायो॥ सांवरो ह
जु अजे नहीं आयो॥१॥ तलजत छोरो अ-
न में राधीका॥ कृष्ण द्वारीका में छायो॥ कहा कु
कुंकुम रुज जिसजासी॥ घासीको भीतस्यो
रायो॥ गरलया कुं घोर पीलायो॥ सांवरो ज
हुं नहीं आयो॥२॥ क्रुरो रे अक्रूर कांसे
आयो॥ घर घर होरी लायो॥ जे तो ही
री कलत छतीयन मे॥ स्वपने सुजन पायो
॥ हीर हो कहांसे हागन आयो॥ सांवरो ज
हुं नहीं आयो॥३॥ लीजली जपतियुं
लीयां कलत हैं॥ ऊधो कुं भीखीप

वीधाता॥अधिक संतापै॥दुजरी के मन लायो
॥धीरज नहीं अंत बनायो॥सांवरो अजहुं न
हीं आयो॥४॥जे हरही मेरो हरहि न अन्यो॥
कामी को नेरज नायो॥सुरदास अबला की
बीनतीं॥कहत हे मन को लायो॥जेरे परलुं
न लगायो॥सांवरो अजहुं नहीं आयो॥५
॥पदपुंगार॥ ॥पदधात्री अनुं॥ ॥
सांवरे सें कहीयो मोरी॥कहीयो मोरी सुनाई
यो मोरी॥ सांवरे से कहीयो मोरी॥टेक॥ ॥
अंहा अन सें ऊधव कौ आजे॥सुनके सखी
सखी हौरी॥कुकुम कुंवंहलाल मीला अजो॥
नातो दीयो जी अघोरी॥करी कहा कमनें यो
री॥सांवरे से कहीयो मोरी॥गोरी रीतमा
ऊं यर नग्रही लीनो॥कुंजी नती करने दीग॥
ऐसी बुक कहा परी मोसें॥प्रीत पीछली तो
री॥सुरत नाहीं लीनी मोरी॥सांवरे सें कहीये
री॥हेरा लुअनवन सखहीत नदीनो॥
नजी सरोरी॥ बिलूत लगा छे अग

नहोई बैठी॥ तेरोहीध्यानधस्योरी॥ जेजेय
लीजाईयांकीसोरी॥ सांवरेसेकहीयोमो
री॥३॥ नीरहीनव्याकुलकीरतराधीका॥
प्रेहवीधातन घेरी॥ स्यांम तुमढुंढतकुंजन
में॥ वीथी॥ जटाग्रहछोरी॥ पलोजहांहोरीहो
री॥ सांवरेसेकहीयोमोरी॥४॥ रोमरोमजी
जछाईरह्योहै॥ मनमेंवेरपनोरी॥ सुरतीया-
मऊनसेंनकहीयो॥ गाऊंगीकीरतनतोरी
॥ पा॥ पनहींरहतरतोरी॥ सांवरेसे कहीयोमो
री॥५॥ ॥पदमुं॥६॥ ॥पदस्योधुं॥
राजहोरी॥ ॥ सांवरेसीजीजेगपढायो
॥ नीपटनीठोरकह्यो॥ सांवरे॥ टेक॥ ॥
जंगविलूतगलेमृगछाला॥ सोऊनकेमन
लायो॥ कुंजनकानलगीकेनजसु॥ जेही
मंत्रपढायो॥ प्रेमकोनेनछोरायो॥ सांवरेजी
जीजेगपढायो॥ ॥ ऊनकुदोषकछुनाहीके
॥ संगतगुनऊपजयो॥ वाकोकंथकहायोऊ-
लाजनजायो॥ सांवरेजीजीके

रा।। जेकदीनमोजेब्धोर्ड ब्धयानक।।देसनरं-
गछरकायो।।नीलांबरपीतांबरउपिर।।ता
लतंबोलनछायो।।मानुंमघवालरीलायो
।।सांवरेलीबी ल्नेगपढायो।।उा।।वादीनकीसु
घलूलगर्ईरी।।फलरनेन लरायो।।होहोफ
रत दूरतहेलालना।।जोहोतरंगलेहेरीआ
यो।।पदरकर नायनन्यायो।।सांवरेलीबी
।।दा।।कहीनकोरल्लयो अलमेरो।। प्रीताय
तुरन्यो।।जो।।मंगलदासतब ब्रलबीना।।
लर्ह दूरीकामें छायो।।कीनहीं दरसनपायो
।।सांवरेलीबील्नेगपढायो।।५।। ।।पद्दं
।।६।। ——— ।।पदपांयतुं।। ——— ।।रागहोरी।। ।।
सांवरोनीकीजेन्तु जल्नवे।।जल्नवे।।सांवरे
गाटेका।। ।।घरघरलेगोपीयलीजावे।।कु
जमोरलीकृष्ण पावे।।कोर्ड सबीतालमृदंगब
जवे।।कोर्डनाचे कोर्ड गावे रयामलोर्ड जतिशु
जपावे।।सांवरेनीकीजेन्तु जल्नवे।।।।कोर्ड
ीजबीरगुलाल उडावे।। र्डपीचकारी

चलावै।। १६ सषीजितम प्रीतीकरके सम्न
मोहकर्तुरी आवे।। स्यामदेषी मोहो जदावे।।
सांवरो नीकोः।। २।। ब्रह्मामहेश्वर नारद
मुनी।। कौतीकदेषन आये।। नाचतनये
अपछरा मुदीतमन।। तानमें तान मिलावे।।
स्यामदेषी मोह चकावे।। सांवरो नीको जेन०
।।३।। अचलअचलचदारलयो त्रीलोकनमें।। दुंदुभी
देवसुनावे।। मुक्तानंदलाल्य अकलनको।।
नीगम अगम गुनगावे।। सारदासुपपावे
।।सांवरो नीको जेन भलवो।।४।। ।।पद दुजो
।। ।।राग होरी।। ।।पद छठुं।। ।।
सांवरो रंगडार गयोरी गयो रे।।सांवरो।।टेक
।। ।।मेंटखीथी अपने भुवनमें।।आजो ढनकु
मजनारी।।आवे ठाढो डहमकी छैयां।।हथपली
योपीचकारी।।स्याम मोहे सनमुष जनरी।।सं
वरो रंगडार गयोरी।।१।। मुषपुवायंदनजो
रअबरगुला।। मृगमद पीय सीझालवीपीछ
चकारी चलोरे स्याम सैं।। मैं अजलानकीर

री॥ मा० धनघमकीहोरी॥ सांवरोरंगऽ।ऽ
योरी॥ ... छीमेली ... जणीयां॥
जीं न जीं न्हे गीगा।री॥ यह नगरके लोकय
रे ... आल ० न्यारी॥ सजीऽरलागत
लारी॥सां० रोग॥३॥ लाल० ...
योहे॥ कुनस्हे जि नरी॥ ...
तकछूरीलो॥ जोसोहीहीगवीह ...
रे मुजपरवारी॥सां० ... ॥४॥ ॥पेघाघु
घुंघा ॥बाग ... ॥ ...
॥ ॥सांवरो मो० रंगमें रोरीरोरी॥सां
वरेबारेहा॥जहीयांपकरक रीरगगरीयां॥छी
नाय ... ॥
डारीगुलालजोरी॥गावनलागेमुजसेहोरी
॥सां० रे मोहुं ...
...
रीलूबमोहुरे पकरी॥जीवननंजलनोरी॥म
...सांवरे०॥ ॥तजमेरो
ने रकछुजेनमान्यो॥मातकहनकुना॥छ॥

तजमेंउनकुंनंदकेसबयरासमें तननमोकुंलेरी।।
ननुं प्रीतकीयोरी।।सांवरे।।३।।मेरस्न
हमेरीकघुजेनर[redacted]री।।कयुंजेकीकसतोरी
।।सुरदासप्रभुतुमारे मिलनकुं।।मोकुं रं
गमें रोरी।।गठेती में नंदलकी पोरी।।सां
[redacted]।।सांवरेपीय
हारीजारी।।सांवरे।।२।।रागस ॰ललित॰ तीन॰
मु[redacted]जलसारी।। जेरपोठाढो
कदमकीछैयां।।हाथलीयोपीयकारी।।सजी
मोकुंमोहपरमारी।।सांवरेपीयकारीजारी।।
।।सासुबुरीघरननदहठीली।।जीनजी
न्हेंगीगारी।। जेहनगरके लोक यवैये।।
कुंपकी रीतहेन्यारी।। मोकुंडरलागतभारी
।।सांवरे।।२।।प्रेमदासजन ।कुंनगलनमें।।मो
हनजेलेहोरी।।अकनोठाढोकृष्णसांवरो।।अ
कुजोरवायेप्यारी।।सखीहेंमनहारी।।सांव
रे।।३।।लेकरगुलालमेरे मुखपरडारो।।ना

[redacted] मनमें भीचारो।। नवलदास मोह अमृ
तलागे।। जेसीजातबिहारी।। लालतारे -
आप चा[redacted] वरोपा। ।पे [redacted] ।। ।।
रागहो[redacted] [redacted]ोरी जेलन
आयो।। आयो।। सांवरो।। रेशामें दधीजेय
नगर्छेती अंदाजन।। मारग आडे पारयो
।।नहीमार मेरो सजरे दोलायो।। माजनलु
टीजायो।। जेनसोदान)दान्नयो।। सांवरोहो
रीजेलन आयो।। १।। अंदाजनकी कुनगलन
में।। जेल लारे मचायो।। लाल [redacted]
रउिडायो।। मुठी स्नरलरध यो।। सांवरणा
दर छायो।। सांवरो।।२।। सजसषीयांमीलमोह
नघेरयो।। रंगदेउरनेरीआयो।। सुरझामप्रेलु
तीहारे मिलनकु।। यरनकमलचीतलायो।।
सषीमेने महासुखपायो।। सांवरो।।३।।
पद।।पुरुं।। ।।रागहोरी।।१।। ।।
सांवरे रंगपूम मच्याछो।। मच्याछो।। सांवरे।। रे
र।। मुवाघुवाद्यंदन अजिर अरगान्ना।। सं-

गलीयो दो॰ ल्लाघ॥कृर दरकुं ...
डारी॥ छीरकत ऐल गीत घाई॥ नकुंडकूला
अरलाई॥ सांवरे॥ ५॥ ओरवीरी॥ ज॰ नंद्रमल
नीत॥ गलजाली यलत सुहाई॥ सुंदरवद
नकमलदल लोचन॥ बोले मंद मुसकाई॥
छबीजरनीनजाई॥ सांवरे॥ २॥ तालमृदं
गचंग ड्फ बाजत॥ सुनगोपीसब आई
॥ छीरक रंगरी॥ मकूतनपर॥ अरसपरसओर
आई॥ दे सुध सब बीसराई॥ सांवरे॥ ३॥ श्री
स्वरूपमुनीवरविज्ञानी॥ बीरबकीरत जसगाई
॥ मुक्तानंद श्याम सुंदर संग॥ प्रीत अज-
नहीछाई॥ मोहगड दीनो हेडाई॥ सांवरेरंग
घुमम्याई॥ ४॥ ॥ पद॥ पुनः॥ १०॥ ॥
राग होरी॥ १॥ ॥ श्याम छोडो बहीयां
मोरी॥ रेन रह गई थोरी॥ श्याम छोडो॰॥ टे
क॥ अपअपने मंदीर सें नीकसी॥ अेकश्या
म दुजी गोरी॥ कहोरे श्याम तुम सें कुशुबा-
लवींगी॥ केसे करुं बल ज्जोरी॥ श्याम छो-

डोऽ गीयां मोरी॥१॥ रहेन रेहे गई थोरी
॥१॥ तीन पोहोर पीया र मसे न्नगी॥ रस
र पेटना लर री॥ अल्कु श्याम तुम तरपेत
नाहीं॥ मैं नार ठगारी॥ श्याम छोडो अ-
हीयां मोरी॥ रेन रेहे गई थोरी॥२॥ सा
कुकुठीली मेरी नागदी ठगारी॥ दीयरीया की
योरी॥ छोडो गीया मेरे प्रातः लयो हो॥ पत
ना रहेंगी तोरी॥ श्याम छोडो अहीयां मोरी
॥ रेन रेहे गई थोरी॥३॥ अंदा अनमें घुमम
गीहै॥ खेलत राधा गोरी॥ कुवरश्याम प्रभु
तुमारे मिलन॥ अरल कुकुरल्नेरी॥ श्या
मछोडो अहीयां मोरी॥ रेहेन रेहे गई थोडी॥
४॥ ॥ दपुर्श॥१॥ ॥ राग होरी
॥१२॥ ॥ सचीदानंद खेले होरी॥ रघु
नंदन खेले होरी॥ टेक॥ ईत तने में से ऊीन कुसी
खावता॥ अजीर लरलर ल्नेरी॥ ऊीत अंगद
हनुमान जीलीषन॥ लान्कीतान अघी
री॥ कहे मुख रीहोरी॥ सचीदानंद खेले

होरी॥१॥ अबिर गुलाल अरगजा कुमकुम
डारे नवल नागर घोरी॥ तब ललितन अर
[illegible]
लाल गोरी॥ सखी आनंद देखे लखे होरी॥ रंग
आनन्द ताल मृदंग पखावज बाजत हैं ता
रो॥ रंगमार पिचकारी सब पर॥ खेलत है तन मन
री॥ भरी [illegible] सखी आनंद खेले
होरी॥२॥ गगन विमान देव सब देखे॥ आ
नंद रंग बढ़ो री॥ देख सखी देखी जेही मन ला
यो॥ अविचल होय हन्ने री॥ तुलसी
ने मो री॥ सखी आनंद॥४॥ पद पूरो॥ [illegible]॥
राग होरी॥१३॥ ॥प्रीतम मेरो प्रान
हरो री॥ हरो री॥ प्रीतम मेरो॥टेक॥ तुम बिन
छीन पल बिना न जाये॥ जे सो रंग जन्यो री॥
तलफत तलफत मेरो प्रान जात है॥ तुम कुछ
बुनहीं मोरी॥ जुवन मोहे न हरोरी॥ प्री
तम॥१॥ केसर रंग हुन्न पर डारो॥ रोम रोम
रंग भरो री॥ कहां न जाव अब कछु जेन लुके

॥ अंतरा॥ गल गोरी॥ [illegible] होल
हीरोरी॥ प्रीतम मेरो प्रान हरोरी॥२॥ सुरती
ज॥ [illegible] ॥ तेपो हीध्यानधरो
री॥ तुंही तुंही रटुं नीसजाली॥ नईएंणे नीर
लरोरी॥ प्रेमको इंदपरोरी॥ प्रीतम मेरो प्रान
हरोरी॥ [illegible] हावन संगहीयो लण्यी॥
[illegible] ॥ जलयोरी॥ संतदास नम साम
नह [illegible] ॥ होईसाने नमन ल्योरी॥
[illegible] तेसोहरोरी॥ प्रीतम मेरो [illegible] नह
रोरी॥४॥ ॥पद॥ ॥१॥ ॥
राग होरी॥ ॥अर ह्यो मेरो पी
रमोरारी॥ मोरारी॥ [illegible] राग
रसंग मेरे सीरपरलरकी॥ सुरीयांमरोरडा
रीसारी॥ रेसम जंधहुर [illegible] अरग
जहोरहीना॥ ॥ मील्यो हो हेजां हो जीलारी॥
[illegible]
णरीगहीसा [illegible] ली॥ हर प्रीनतां [illegible] जी॥
जेसी रीति [illegible] ॥ [illegible] नेनही

बनमाली।।श्रीनंदके।बसवोहोरी।।जरक्योमे
रोबीर मोरारी।।२।।श्रीदाबनमें कुंजगलननमें
।।मो नखेलेहोरी।। चंद्रसखीलालजालकृ-
ष्णछब।चरनकमलती गरां।। जबरा जोला-
ब मारी।।जरक्योमेरोबीरमोरारी।।३।। ।।
पद।।पु ।।१४।। ।।रागहोरी।। ।।
गनके खेलुंहोरी।।होरी।।फागना।टेक।।आ
यो फ ल ।।कु ।। लकूल्यो।।
पीया।बिना।बसंतनलावे।।जेबनजागल
क्योरी।।मोहे गी ।।
खेलुंहोरी।। ।।तनवीलजेलत ।।आ
वी।।गतलुं ।। ।।
तनदीउंगी।।कं पीया।आनलेरी।।नां।तोमेरोप्रा
नतजेरी।।फागनाके सखेलुंहोरी।।२।।चुंकने
ह ।।आ।।अंखीयानक ।।. गन खेलनखेल्योरी।।
चंद्रसखीलाल बाल पण छब।।ज्वालन
बासरव्ये री।।मख्या।रंग। गरी।।फा
गनाकेसखेलुंहोरी।।३।। ।।पदधुरपदी

॥ ॥ राग [redacted] ॥ अन
में हरी होरी मच्याई ॥ मच्याई ॥ अनमें ॥ टेक ॥
उ [redacted] ॥ छुरत
पोंचकारी ॥ अंग ॥ अनकी ॥ नगलनमें ॥ कुमकु
म [redacted] री ॥ रियामसंग छेलनआई ॥
अनमें री होरी मच्याई ॥ [redacted]
स्वा [redacted] से धरकन्हाई ॥ छेलतरंगप
रसपर हिलमिल ॥ अर मुखअबरएयोनलगी ॥
नंदघर आनंत अधाई ॥ अनमें री ॥ रा ॥ राधि
सानकरी सखीयन ॥ झुंडझुंड उठधाई ॥
[redacted]
लेआई ॥ लालकुंतो नायन [redacted]
रीहोरी मच्याई ॥ ३ ॥ मोरलीपीतांबरलीयो
रेछीनाई ॥ री रीपेर नरीआदाई ॥ अबीहीं
लालनेनोंपीयकाजरा ॥ नक ब्रेसरपेहराई
॥ मानुनवीनारअनाई ॥ अनमेंहरीहोरी
मच्याई ॥ ४ ॥ सकल हे मुखमोर छ्सलहा
कहारेगई यतुराई ॥ कहार गये अबपीता

तुमारो ॥ रे असो मति माधौ ले तजोर
तुमकुं छोडा छौ ॥ अब मैं हरी होरी मच्याई छौ ॥ पे
॥ २ ॥ गुधारे वीगी अज अने देगी ॥ करीयो
होरी वीपाछौ ॥ हो युकाय कसर सब हीन डीर
तुम होयो रकन्हाई छौ ॥ न्हो तघ घी मा जन छा
छौ ॥ अब मैं हरी होरी मच्याई ॥ ३ ॥ रास जील
सर च्यो है श्री घ जना ॥ श्री अ जी नलाल कुंराई
॥ पे होय अजी कुंवर ॥ कुं सरजज
न छौ श्रीत वीसर है नरा माधौ ॥ अब मैं हरी हो
री मच्याई छौ ॥ ७ ॥ ॥ पद ॥ ४ ॥ १८ ॥ ॥
२ राग होरी ॥ ॥ पकरे अब नगीरधा
री ॥ पकरे ॥ रे कावी नंग नरी गोपी च्वली जाछौ ॥
जेल मच्यो है लारी ॥ अंपलीये पीतांबर मोर
ली ॥ हांहां करत गोरारी ॥ रुसत ले कर तारी ॥
पकरे अब नगीरधारी ॥ ॥ कान सावर छै सर छै
सन को ॥ श्रीत लीयो छुकारी ॥ कर जेरी पीतां-
बर माग्यो ॥ हो मोरली यां मोरी ॥ जजल छै जी
ल तुम्हारी ॥ पकरे अब नगीरधारी ॥ राान्

कुंजपत मुनीवर वीधीजननी।। सकलवासना
रारी।। चारदवोषजको गारन पावे।। ज- [illegible]
तत्रिपुरारी।।ता गोपोदेवत गारी।।पकरेञ्र
जजनजीवंधारी।।३।। जयजयकार जयोत्रि-
लोवनमें।। दुलीदेवसुनाई।। मुक्तानंदला
[illegible]।।
मयनकीनीऽजनकीनारी।।पकरेञ्रजजनगीरीधा
री।।४।। ।।पद२६।। ।।रागगे
रीा।पट।।पुछुं में अंजनीके कुंवरसों।। लंकाकेसी
जलाई।।टेक।। लंका कोट समुद्रसीखाई।।
राम लछुमन दोनु ल्याई।।वायुसुतजेआक्रम
किनो।।कुदनआयेलंकामांही।।पुछुंमेंअंजनी
के कुंवरसों।।लंकाकेसीजलाई।।१।।सबरेलंका
को ढूंढ मंगायो।।आगबाके पुछबंधवायो।।ही
रकीरके सन [illegible]जलायो।। [illegible] सो जलरे देखायो
।।पुछुंमें अंजनीके कुंवरसों।।लंकाकेसीजला
ई।।२।। [illegible]
योद्धामें आये।। जा लंका [illegible] गरकोंधा

स्वरनेंगुनगायो।पुछुंमेंजंननीकेकुंवरसे
।।लंकाकेसीनजाऐ।।३।। ।।पेद ःकुं।।१८
।। ।।राग गेरी।।१९।। ।।दोरघु
अररंगछीडायो।जेसीकुंवरीजनककीसील
रलरलावो।।देषो।।टेक।।हाथमेंजोरीकपेर
पाकेदीलमें।।मुठीयांलरलरछीडावो।।जेसी
कुंवरीजनककीसीलरलरलावो।।देषो।।१।।सी
तारामलछ मनलरपरीत्रुघना।।ल [redacted]
मरछीडावो।।जेसीकुंवरी।।देषो।।२।।दीव
।जनकादिक।।ओरप्र [redacted]
मुषगावे।।ओसी कुंवरी।।देषो।।३।।जैसे
प्र [redacted] जल्लवे।।
जेसीकुंवरी।।दे [redacted] ।।तेरीअयोध्यामें
[redacted] जेसी
कुंवरीकुंवरीजनक [illegible] सीलरलरलावो।।देषोरघु
बीररंगछीडावो।।५।। ।।पेदप्रभु।।२०।। ।।
रागकेदारा।।रव ।।टेकी [illegible]
जनारी।।लीषलेनो।।टेक।।स्वस्तिश्रीशुल

जगत॥ रीझ॥ प्रीतम प्रान आधारी॥ सर
वे उपमा लायक सांवरो॥ श्री कुंज बिहारी॥
चरनकमल जली गरी॥ लीजलले नेपत्र श्री
जनारी॥ १॥ जगामन लीजैतह नरी॥
॥ स्वामिकुं बिस्तारी॥ जदुनाथ जगतके ज
वन॥ आंपी थो कुंजबिहारी॥ मैं तमे लुघसां
तीहरी॥ लीजलले नेपत्र श्री जनारी॥ २॥
वाडे फुलान जैम आनंदमादू म्हारे आनंदका
वी॥ जलदे लोजनफुले नतन आया॥ कुयारंकु
गाद मचा ली॥ [illegible] ॥ लीज
लेनपत्र श्रीजनारी॥ ३॥ जपरंग जे [illegible] जन
प्रेम जेसी॥ लेजने हृदय जीम्यारी॥ नंदनेरी
धावृद्ध लये हैं॥ जान मीली जे दुवारी॥ जेर
न तकरीयो जगारी॥ लीजलले नेपत्र श्रीज
नारी॥ ४॥ आवत तोकुलाज लगत है॥ घ
रमें घासी धारी॥ लीजालेज है जी घाता॥
के सारे गारा नीरी॥ रींझ मत आनो मोरारी
॥ लीपिलले नेपत्र॥ ५॥ सात सोगन आय

संसारपड्योाा देखोजे हंगलीाा ...ोकेसीाो
जडीलाजैयरीाा बोलदस पिटरानीाा जराङ
मणगारीाालीजे लेपत्रज्ञीलनारीाा६ाा
फागदलीष्णि ऊीध्यक्रुंदीनोाा जांयीयोजी
धीसारीाा नामप्रेलुब्जुगतजनार्गाा
फागदनफुले ऊीतारीाा ने सीष्णुधफीतफमारी
ाालीजलेलपेत्रप्नी लनारीाा७ाा ाा
पदरूं ाा१०ाा ाारागहोरीारीाा ाा
तरीयाफरलायोजीरानीाा जेसोमेरोरुंपशु
मानीाातरीयाणाटेफ़ावाड़ी लमड़ी तुमफर
लाजेाा ताडीजगममैने लनीाायडे जाते
जेजगमजांदेराा तेरीहोयगीसंफानीशाा
नीाा जेसोमेरोरुंपशुमानीाातरीयाणाीा
फुलतमंदादरी फ़ नोपीयारावनाा छोडदीयो
जलीमानीाा राम लछुमन लरयरात्रुघन
ाासाद्यरपोग्यजंघानी ाा जे सोमेरोरुंपशु-
मानी ाातरीयाणाराााजोाजाजेरीं छजांह
रद्दोलुंाा पेत पेत जलिमानीाा लमड़ीदे

२२ पायपजेतुमा॥कुंठ॥जी घूलघानी॥जे
सोमेरो पि॰ भानी॥तरायाणा॥ऊ॥कुंपल
योरावन मारूयो॥ हारगयो अलिमानी॥
सु[redacted] तुमारे मिलनकुं॥ सीताऊीपी
रजनीं॥जेसोमे रे इं॰ गुमानी॥तरीयाबा
४॥ ॥पेपर्पु शुारधा॥ ॥राग होरी
॥२२॥ ॥ गांनपोरनी रजीज़रकुरेछे
॥ ॥गांने संगखेलत होरी॥होरी॥त-
माकुंठीटेपनठोरी॥॥गांनेर [redacted]
त[redacted] माऊी॥जेठी सोहनवा रीटोरी॥
सा॥ जेकजोटारत रनजकुं॥ऊंचनीच सज
नेरी॥ जगलसबनिंदाकुरोरी॥ गांने सं
खेलत होरीना॥ गांन पोरनी ठोरडीनारी
॥ अरजकुरेकरनेरी॥साझीमें साडी सजझार
गर्छे॥ अजतोअ यी थोरी॥ मडीयरसेमें
[redacted] लाछेतीफोरी॥गांने नंगा॥रा॥जांजमें तो
रीजफलगणेली॥ नेसीनतजघोरी॥जा
नाजंगीफुरे सजमासंगा॥लयलीतनूतज

न्योरी॥ गांनें ते गञ्जकरीरी॥ गांनें संगा॥३॥
त्नांग ञ्जकीम रु रांपान संञकुछा॥ केहू करो थोरी
थोरी॥ गांनें कु घरमें मत ञ्जाईयो॥ ओ स्कीञ्जग
तमें थोरी॥ मानो रीञ्जईत नीकु मोरी॥ गांनें
संग ञेनतहोरी॥४॥ कहे धनयंतरी ध्यांन धरनकुं
॥ नेगीपीञ्जे करनेरी॥ ओर पीञ्जे याकी ञ्जकल
न्यगी॥ झमरगलीमें ञोरी॥ आन पउहेकी
ञोली॥ गांनें संग ञेनतहोरी॥५॥ ॥
पदपुंञ्चार २॥ ॥ राग होरी ॥ २३॥ ॥
मोहे सांवरेने गारी दई॥ दई रे दई मेने कछुना
कही॥ मोहे॥ टेक॥ ईत मथुरां ईत गोकुल नगरी
॥ बिचमें जमुना वही॥ आप तो कैयां पारउ
त्तर गये॥ मैं तो तकती की तकती रहीरे॥ दई मैने
कछुना कही॥ मोहे सांवरेने गारी दई॥१॥ ढोंउप
डुं तो पकडा न ज्नेवा॥ होहारा है ञ्जउरी॥ मनकी द
ईयां कछु कहन रा कतहुं॥ मोरे मनकी मन मांर
हीरे॥ दई मैने कछुना कही॥ माहे सांवरेने गा
री दई॥२॥ ॥ पदधुंञ्चा॥२३॥ ॥ राग को

वी॥२४॥ ॥कांइ मिरजनने धूमम्चाई है
॥आजरनमरीरसें खेलेंगीहोरी॥ जा॰ ॥रंग
॥लीणलीजपतियां [redacted] जेहट तांइ समनजीको
॥तुमकुंरामदुघाई॥आजरनमरीरसें॥॥
[redacted] लोजाजे॥तोपनझेपीचकले
॥रंगगुलालतलवारचलतके॥कुमर [redacted]
लगाई॥जाहु [redacted] के मोर
जनेंग॥२॥ ॥पंदपुझे॥२४॥ ॥
रागहोरी॥२५॥ ॥आअवसरनहीं
आवेहूरीफेरी॥टेक॥अजेक॥अजेकी॥डो॥अंगन
में॥जगमें आईकुंहेरी॥चलोसखीसज
मीस न्नईअ॥लीलेसाज घेरी॥चलो
तुमसंगजमेरी॥आ॰॥अवसरनहीआवे
हूरी॥१॥जी सपच्चीसन्नयलोपकरी॥हम
सजरोकेगेसेरी॥जगअवकासलयो॥अ॥
नेकी॥ह [redacted] वंशहेरी॥रूनेजासजला
यंगो रीं॥आअवसरनहीआवेहूरी॥२॥

कृष्णानंद मगन छबीलीरसिया।।कहां जाउं म
ति थोरी।।रहो ईमसंगरतीमोरी।।श्रीलमें
होरीखेलतहोरी।।४।। ।।पद।। राग
।। ।।नामधारीठे.स्वर.व्भर।।१।।
लाठ्ठ्यासोकेरजीहोरी।। ।।आ
री।विच्पनाल्मारी।।७ ओल्लखोधेटअहा
र।।है खेलेगा। थारे थंदन ओर अरग
ला।।अबी लाल मिलाई।।अतरगुलाज
हुम मह्हरा।। थीपहारनमार।। लारी
मोजलह हारी।।होरीहोरीरसपल।लारी।।
अतरमोहोपररोराननामकी।।र हरछज
परवारो।। नकुपालहे सोतीहल लरके।।
जानां से लेआयाऐ।।लनजाहीलजा हलि
।।होरीजेनपनाल्मारी।।।। आर जल
सेजल्पाहु।।जलक गलेजाजल।।
हायमनाम यो नेलमें।।ओरहमसज
लारी।।रहेल्यगीये गय गारी।।होरीहीरस
नाल्मारी।।७।।पाहुलनहर मपरमसो

साजेतकरमहेतेरीगायेहीनेडीतेरीनगमेजन्के
।।मंदरन्योतउतजियारी।।जेसीतेरीगुन्हेंन्या
री।।होरीडीरचनाल्यारी।।धातनमनधनसेंतु
सेवाकरतहुं।।३तधन नीत्य ।री।।ली ध्यना
यगरीजेड़ोघात।।स। जनामहीआरी।।स
नोके ल न्ही व्यारी। [redacted] गुलण
[redacted] में।।१ हरनरतनपाछे [redacted]
न्नोग्य सुलाग्य पुत्रहो।।सजपरमायाहेतीख
री।।घरो घर न्ययन्यहारी।।आन्होरीडीगा५
।।सुर छत्रतुंसघासडीओ।। ओर सलामतस
जओडी।।जालगोपालतेरीव्रुगोव्लुगजीयो
।।जेसीप्रीततीहमारी।।शरमरजेमो लालुमा
री।।आजान्होरीडी।।७।। ।।पदद्रुरचा ।।
रागहोरी।।रचा ।।तेरीरचनाहे रहेगई
नारी।।धन्य धन्य जारोनेट जहांदुरा।।तेरी।।टेक
।।जरू त्यउरह्योगपीयकारीजना।।डीरतीकीस
रसलोला।। [redacted] ।।ओ३ ध्यसो
मलरमा नगछनगतसारी।।टेरीत

हेगर्ईलारी॥।अपे।मीललनेअलयाहुं
का॥ऋलहगावेनामदारी॥कायम।हीया
हेलामें॥ओरकामसलअलावी॥रे।गछेर
रीथेहयाहगारी॥तेरीरयनअ॥रा॥ऊछुनहीमे
हल्लेहन्नतीकी॥ऊंपुरुषकांनारी॥न्नेर्छन्नेकी
न्नये मोर्हरिघुपावे॥ रनजको मह अलारी
॥जेसोतुंभरणीपकारी॥तेरी॥ऊ॥तनम
नयनसे सेयाकीनी॥ऊर राम नामकीयारी
॥रांऊजनाथेगरीजकोदाता॥हयाहानजलारी
॥होरकीलयलयकारी॥तेरीरयना॥रारीजुलघरी
रीजुललगनमुकुरतमें॥सुंदरन्नमलीयारी॥धन
धनलाग्यमृदुंगजको॥सजकीनीपततेंटारी॥हीयोह
रयीऊरी॥तेरीरयना॥पा॥पाऊनन्नरनेमंधरमकी
॥पुरनलन्किलीकारी॥येहीनेकीतेरीलगमेजल
हरही॥होणीलननऊलथारी॥स्रैकुंठमेंजलतहल्ला
री॥तेरीरगा॥ऊ॥जेसोसुरनरसुन्योनहेप्यो॥पुर
ननरअयतारी॥शीरततेरीकअलगजनहनुं॥लर्छ
रमनाअन्यारी॥लेअनीकेहमेंकारी॥तेरीरगा॥छ

॥पीरं ल रवीद ओतीनो लाछी॥रीला॥मानरयो
री॥अपनेपीताडीत्तेवाडरको॥मेंनसनीयोरी
सुमसनहीडोहीयोरी॥तेरी रचना॥ण॥मनुरसु
ननने कना॥मकुरी॥गा॥कुंप्रउजपसवारी॥स
कहुँ डीलमील या फरता॥जेरुमा॥लनगेप्या
री॥लीनताहतोशैन्यारी॥तेरीरगा॥ना॥ग्रेरगीट
नमेंधुरसीदृष्यमके॥प्रकाशील्यो जातिलारी॥ज
मीरलीमरायसजमिलनलीमंगसे॥प्रयाननेली
त्सवकीयोरी॥मानसजमीलकेहीयोरी॥तेरीर-
चना॥ण॥णारा॥भेदुलमें म मच्यो है॥महीमा
मिलनकी तैयारी॥प्रेमकी लेटलघेरानीसुं॥वे
ल भबारोनेट ली॥गया॥ रंधर रालताबि
यारी॥तेरीरचना॥ण॥प॥नगामगनन्यातन
त पररोरीना॥रोशानलाछैजोकीन्नेरी॥ त्र
होकीत्र नुगोनुग॥ जी यो॥ कही है बीनती ह्मा
री॥रीरमरजे मौलातीहारी॥तेरीरचना॥र॥
॥ ॥पिहु ॥२०॥ ॥राग नरी॥३॥
॥ ॥खाधं ना॥वियोगधीरौनी ॥ ॥

नणदीकेमनापिनआव्या।। नआव्या।।नणदवा
टेकु।।न्नेनेजेणेपनदेरीमां न्ईनो।।ल कुलमान
न्माया।।न ियेकूरीघरन्नामुंनन्नेयुं।।करोऽसं
देरामेंकहाव्या।।कागण जेकुलाजेजजाव्या
।।नणदीकेमनापिनआव्या।।१।। पंणींनेतुर
तन्घापरदेरो।। न्नोसंगाथसीधाव्या।।मार
ठहुंडरीुं भेनमान्युं।।कोऽतरेजरकाव्या।।र
ह्यानहिंमारारोकाव्या।।नणदीनारा।।नुरआ
पीनघानायमांन्यारे।।नवानवालारत्नरा
व्या।। जेवेसमे छांटाआंसुना।।मारीआं
षेथीकृजभराव्या।। जवषेअटमासहरा
व्या।।नणदीकेमना।।३।। भरेभरासमभाईज
पीत री।। ठीरपेवस्वास जणाव्या।।नरज
रपेनलपेपेन्धान्या।। अगणीतगुणातेग
णाव्य।। भलात लाल्नेदन्णाव्या।।नणदी
।।४।।भ क्नु जंदर अंदरन्छने।। मुलयी
मालमंगाव्या।।लालमन्योतेथीलोलीया
यईनो।।लोल योललगाव्या।।लोलेसम

लारेलगाव्यानणहीजायाग हल्नेतांदसपन
वीत्यांपणालाले ईनाजल्लव्याल्नेज जे
रतोल्लयछे कलधीनां रोणगारसल्लव्याल
लानहिंबेषल्लकव्यानणदीया हामुद्दतदीघा
लीनादीवसनीदीघीवायघलोतेवशव्याद्
रीजयपर्वपीइगणनीलणीाजेपणाहिवस
तोजाव्याहरबेहर्छजेनहीउपजूल्व्यान
णहीाषारंगरमेलोरीमणीनेसाहेलीाकेसुं
गरयाव्यापिरगयोनेष्यारीपरस्परछांटा
मनोहरवेलमयाव्यानणहीगाटातालमृं
दंगवीणाकरजालोरागररीहुंगवराव्या
टीह हुणीनेतावीशेषवधेहुजावीषनारोपद्यो
पाव्याव्याणाजोहुजापवाव्यानगंधीहैमना
पेनजाव्यात्नायंपायंजेलीनेगुलाजमोद
शाकुल्लेहुलीहुलाव्याल्लोपायीनेकोईजे
मुल्लरथारनोलानल्लुल्लूलाव्याकांतार
हेवाहपूलाव्यानणहीकेमनाधनजाव्या
पिमाहाहाउवसंतहू नालेहुरललागाकू

पर्छैनेग माव्या॥कांतो कोइजे - ॥राजनव एमरूहु
रुदी॥मुरलरथारलमाव्या॥कोएजेपी जकुलकु-
माव्या॥नएगीकेमनाथनजाव्या॥प॥कुवजीया
लवनानज्यांनएगीही॥ऊरमांजंगाराधीजाव्या॥हल
पतरामनाईथनेकुंछुं॥पीयुथीवियोगरथाव्या॥
जेपालेफेमलजाव्या॥नएगीकेमनाथनजा
व्या॥रा॥ . ॥पदपुंगू॥रला ॥रागहो
री॥ ॥पालागेहरन्नेरी॥स्याममोसेजे
लोनहोरी॥पालागो॥टेक॥ ॥गौजांयुमा
वनमेंनिकसीहुं॥लासुनएगदहीन्योरी॥लघरी
युहरीयांरंगमेंनलीक्योचो॥र्छतनीसुनो॥जात
मोरी॥स्याममोसेजेलोनहोरी॥प॥छीनजपट
हपिसेंगागरा॥न्नेरसेंजहीयांमरोरी॥हील
घरकतहे सासयरतहो॥देव्हंपतहेमोरी॥स्या
ममोसेजेलोनहोरी॥रा॥जणीरगुलाललप
गयेमुखमें॥सानीरंगमेंजोरी॥रनासहन्नर
नगारीहेंगी॥जालमकुतानछोरी॥स्याममो
सेजेलोनहोरी॥३॥तुंगजेलरे तुमनेरेमोह

।।। राग गतसौली होरी ।। हटीपट सैंया
टके आगे ।। होय कु घोरी घोरी ।। श्याम मोसे जेले
न होरी ।। २ ।। पिद पुरु ।। ठे ।। राग
होरी ।। झी ।। ।। ३ ।। ना सम जवत न होगी ।।
अंगीयां रंग में लीं ने हैं ।। मेरी अन में पलगो
ठी ।। ज्ञाना ।। टेक ।। ।। आत्म ज्ञानी होय रसमें
लहै न प्रीतकी लन होवो हैं ।। जबीर गुलाल उ
डावन आलरा ।। मोहो आंसुवोसे हैं ।। अ न
माटीमें मीलो हैं ।। ज्ञाना रु सम जवल न होगी
गरवाल गाध्यो गेरा ये ।। मेहेरा ।। मो पे रु डाले
जरो हैं ।। हैं न तलीनी गारी दीनी घा हम जलरु
ओ हैं ।। सपी बी जभा यदे खो हैं ।। ज्ञाना रु सम
जवल न हो ही ।। रा जे ठ जे ठ श्रेन रे लो रु नमें ।।
जरी हरा जीस आँ हैं ।। वा ने अजर गी स्ला हने
पा हैं ।। धर हा यि से म श्रो हैं ।। नी फुल फर लग
हो हैं ।। ज्ञाना ।। सम जवल तन होई ।। ३ ।। ।। पिद पु
रु ।। ठे ।। ।। राग होरी ।। ३३ ।। ।। आ
त्मज्ञान विषे ।। ।। टेक ।। अब संत आयो ।।

छौ॥ हु पीउ जल अंगीगं जीये है [illegible] जे चार्गे
हो पेर्ह्यो॥ श्याम मोपुं चोरी ढाघा॥ जे सीहो
दीजे लार्ह्यो॥ ५॥ ॥ हो री॥ ३५॥ ॥
आगन के दीन च्यार सखीरी॥ अपने पीया मो
से भागे सो हुंगी॥ टेक॥ नैणी हुंगी
मोतीजी हुंगी॥ ओर हुंगी होता जग॥ सखी
री॥ १॥ ओर हूं मांगे [illegible] जो हुंगी॥ [illegible]
[illegible] चोयो ना नथा [illegible] री॥ २॥ ॥ पद॥ ३५॥
राग होरी॥ ३॥ ॥ आंगन मेलत ॥ग
त॥ री सांवरीयो मोरे आंगन॥ टेक॥ ॥
[illegible] हथां रंग में [illegible] ह्यो॥ अपनी अप
वत पाग रे॥ सखी सांवरीयो मोरे आंगन जे
लत फाग॥ १॥ ॥ राग होरी॥ ३७॥ ॥
होरी खेले श्याम [illegible] बन में॥ मैं तो कुंज गली मधुबन
में॥ होरी॥ टेक॥ जे सा लतन जताहा सखी री॥
ले पीया आये बन में॥ होरी खेलन॥ गोकुल
कुंज [illegible] बन में॥ होरी
खेलन॥ पद॥ ३८॥ ॥ राग होरी॥ ३८॥ ॥

नीननाथ सेनेह जदायो॥ २॥ टे०॥ ॥
तरुवर सजलये नवपल्लव॥ २ गंधर मन
॥ रखायो॥ धी कुमल कुरंगरंगके॥ मुनी
नन्दनलपायो॥ जस तांहां ८ लायो॥
मृतु ॥ मीलला वतार जपंडी
॥ नोमे न लायो॥ जोरसकुसलनपुधमजु
घास्गलंगुर ायो॥ रीयासे प्रेमल-
गायो॥ ॥ र ॥ रा कुल सां पुननदु
लीनो॥ न घंट लयो॥ ध्यान धूपसु
विचार आरतां॥ तान दीप गायो॥ ज्
ज्ञान अंधेर लगायो॥ कुर जसंतीज
यो॥ धारणागतवत्सल प्रलु लावक्
लोगंधनायो॥ न छोर मश्रुति अत्य नआंधी
गफारनलसगायो॥ सदा सुजसे देपायो
२८ जसंतीआयलाजा ॥ पुरु॥
रागहारी॥ ॥ असी गरीबील
छोरियाम मो धोरी पड़ाछा॥ असी॥ टेक॥ ॥
जेललगेंर गीरी नामें॥ कीने मेरी गेंद